संकल्प

HINDI LITERACY TEAM
CHANDIGARH

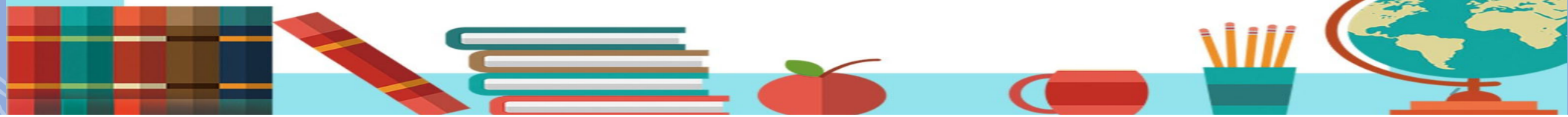

भारतीय वायुसेना

INDIAN AIR FORCE

"TOUCH THE SKY WITH GLORY"

भारतीय वायुसेना दिवस

मैं हूँ प्रेरक

आज प्रेरक घर लौटते हुए रास्ते में प्रेरणा दीदी से बोला, “आपने कहा था कि आप रोज़ कुछ नया बताएँगी ।”

प्रेरणा बोली, “आज मैं आपको भारतीय सेना के बारे में बताऊँगी, उसमें भी उस सेना के बारे में जिनका क्षेत्र वायु सीमा की निगरानी/रखवाली करना होता है। ”

और मैं हूँ प्रेरणा

भारतीय वायुसेना दिवस

भारतीय वायुसेना दिवस

भारतीय वायु सेना का गठन 8 अक्टूबर, 1932 को हुआ था। भारतीय वायु सेना की आधिकारिक वेबसाइट पर दी गई जानकारी के अनुसार, इंडियन एयरफोर्स के वायुयान ने अपनी पहली उड़ान 1 अप्रैल, 1933 को भरी थी। उस समय इसमें RAF द्वारा प्रशिक्षित छह अफसर और 19 हवाई सिपाही (शताब्दिक तौर पर वायुयोद्धा) थे।

दीदी----ऐसा कैसे संभव है क्योंकि तब तो हमारा देश गुलाम था।

बताया जाता है कि भारतीय वायु सेना की स्थापना ब्रिटिश साम्राज्य की वायु सेना की एक इकाई के तौर पर हुई थी। दि्वतीय विश्व युद्ध के दौरान इसके नाम में रॉयल शब्द जोड़ा गया था लेकिन स्वतंत्रता मिलने के बाद 1950 में हटा दिया गया।

भारतीय वायुसेना दिवस

प्रेरक देश में सभी सेनाओं का अपना एक आदर्श वाक्य है। भारतीय वायुसेना का आदर्श वाक्य है- 'नभ: स्पृशं दीप्तम'। भारतीय वायु सेना का आदर्श वाक्य गीता के ग्यारहवें अध्याय से लिया गया है और यह महाभारत के महायुद्ध के दौरान कुरूक्षेत्र की युद्धभूमि में भगवान श्री कृष्ण द्वारा अर्जुन को दिए गए उपदेश का एक अंश है। इसी आदर्श वाक्य के साथ भारतीय वायु सेना अपने कामों को अंजाम देती है।

दीदी-- भारतीय वायु सेना का क्या महत्त्व है?

देश के आजाद होने के बाद से भारतीय वायु सेना चार युद्धों में कार्यवाई कर चुकी है जिनमें से तीन पाकिस्तान एवं एक चीन के खिलाफ लड़े गए। भारतीय वायु सेना के अन्य प्रमुख ऑपरेशनों में शामिल हैं, ऑपरेशन विजय- द एनेक्शेसन ऑफ गोवा, ऑपरेशन मेघदूत, ऑपरेशन कैक्टस, ऑपरेशन पूमलाई, सर्जिकल स्ट्राइक, बालाकोट एयर स्ट्राइक। इसके अलावा भारतीय वायु सेना संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना कार्यों में भी सहयोग कर चुकी है। भारतीय वायु सेना दुनिया की चौथी सबसे बड़ी वायु सेना है।

अधिक जानकारी हेतु दिए गए लिंक पर क्लिक करें

वायु सेना के अधिकारी रैंक - Google Search

दीदी आपने वायु सेना के बारे में काफी बता दिया। एक बात तो बताओ, वायु सेना का पहला अध्यक्ष कौन था?

वायु सेना के पहले चीफ, एयर मार्शलसर थॉमस डब्ल्यू एल्महर्स्ट रहे ।
आज़ादी से पहले वायु सेना पर आर्मी का नियंत्रण होता था। एयर फोर्स को आर्मी से 'आजाद' करने का श्रेय भारतीय वायु सेना के पहले कमांडर इन चीफ, एयर मार्शल सर थॉमस डब्ल्यू एल्महर्स्ट को जाता है। आज़ादी के बाद सर थॉमस डब्ल्यू एल्महर्स्ट को भारतीय वायु सेना का पहला चीफ, एयर मार्शल बनाया गया था। वह 15 अगस्त 1947 से 22 फरवरी 1950 तक इस पद पर बने रहे थे।

दरअसल,प्रेरक वैसे तो हर पीढी के लड़ाकू विमान नायाब रहे, लेकिन राफेल 4.5वीं पीढ़ी का विमान है, जिसमें राडार से बच निकलने में महारत है। इससे भारतीय वायुसेना (आईएएफ) में आमूल बदलाव हुआ। वायुसेना के पास अब तक के विमान मिराज-2000 और सुखोई-30 एमकेआई या तो तीसरी पीढ़ी या चौथी पीढ़ी के विमान हैं। राफेल की अधिकतम स्पीड 2,130 किमी/घंटा है और इसकी मारक क्षमता 3700 किमी. तक है। राफेल में बहुत ऊंचाई वाले एयरबेस से भी उड़ान भरने की क्षमता है।

लेह जैसी जगहों और काफी ठंडे मौसम में भी लड़ाकू विमान तेजी से काम कर सकता है। राफल 24,500 किलो उठाकर ले जाने में सक्षम है और 60 घंटे अतिरिक्त उड़ान की गारंटी भी है। राफेल विमान दो इंजनों वाला बहुउद्देश्यीय लड़ाकू विमान है। यह हवा से हवा में और हवा से जमीन पर हमले कर सकता है। राफेल हवा से जमीन पर मार वाली स्कैल्प मिसाइल है, स्कैल्प मिसाइल की रेंज 300 किमी, हथियारों के स्टोरेज के लिए 6 महीने की गारंटी है। 1 मिनट में 60,000 फ़ुट की ऊंचाई और 4.5 जेनरेशन के ट्विन इंजन से लैस है।

अरे वाह! दीदी
फिर तो कोई भी
हमारे देश पर
आँख उठा कर
नहीं देख सकता
ये जानकारी मैं
अपनी कक्षा में
साझा करूँगा

ये हुई ना बात!
प्रेरक यह
जानकारी कक्षा में
बताने के बाद
आप उनसे से
सवाल भी पूछ
सकते हो।
चलो मैं कुछ
सवाल पूछती हूँ-

ये रहे सवाल

1. आज़ादी प्राप्ति के बाद भारतीय वायुसेना के नाम में क्या परिवर्तन किया गया?

2. 'नभः स्पृशं दीप्तम' क्या है। यह कहाँ से लिया गया है?

3. वायु सेना में जूनियर लेवल में कितनी रैंक होती हैं, उनके क्या नाम है? (लिंक पर क्लिक कर पढ़ें और उत्तर दें)

4. वायुसेना आमजन की मदद किन-किन दशाओं में करती है?

5. एक हवाई जहाज 1800 मीटर की उंचाई पर उड़ रहा था। जब से यह उतरना शुरू हुआ, उसकी उंचाई हर मिनट 80 मीटर कम होती गई। 200 मीटर की ऊंचाई तक उतरने में उसे कितना समय लगेगा?

उत्तरमाला

1. 'रॉयल' शब्द हटा दिया गया।
2. यह वायु सेना का आदर्श वाक्य है। गीता के 11वें अध्याय से लिया गया।
3. जूनियर लेवल में दो रैंक होती हैं, जिनके नाम फ्लाइंग ऑफिसर और फ्लाइट लेफ्टिनेंट हैं।
4. बाढ़,भूस्खलन,सुनामी जैसी तमाम आपदाओं में राहत-बचाव संबंधी कार्यों में,आमजन को प्रभावित क्षेत्र से सुरक्षित निकालने में।
5. 20 मिनट

'संकल्प' पत्रिका का यह अंक कक्षा दसवीं की पाठ्यपुस्तक स्पर्श भाग-2 के पाठ 'कारतूस' से प्रेरित है। यह सीखने के विभिन्न प्रतिफल: स्वाभाविक अभिव्यक्ति, कल्पनाशीलता, कौशल और सोच, अनुमान और कल्पना, कला सम्बन्धी दक्षता एवं रूचि को पूर्ण करता है।